भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1985
दिनांक 06 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

पशुपालन को एक उद्योग के रूप में बढ़ावा दिया जाना

1985. डॉ. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पशुपालन को एक उद्योग के रूप में बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हाँ, तो इस मुद्दे पर समुचित और प्रभावी कानून बनाए जाने सहित इस संबंध में कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं; और

(ग) क्या सरकार ने देश के पशुपालन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए आईसीएआर और विश्व बैंक की रिपोर्टों के साथ-साथ कोरिया सरकार के कानून का संज्ञान लिया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क) जी नहीं। पशुपालन को कृषि कार्यकलाप माना जाता है और भारतीय विदेशी निवेश नीति के अनुसार इसमें 100% विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति है।

(ख) और (ग) उपर्युक्त (क) के उत्तर के आलोक में प्रश्न नहीं उठता।